ANNUA PROGRESS REPORT
2022-23

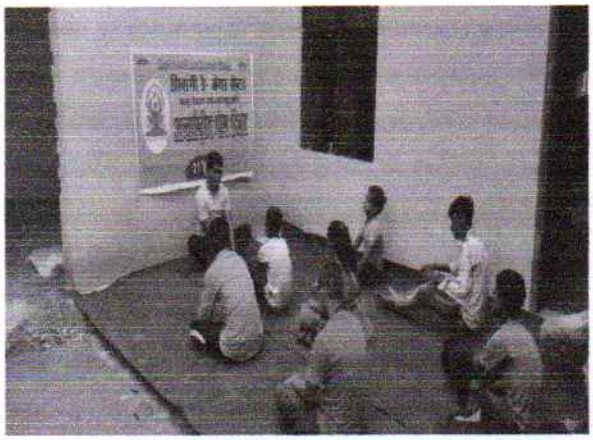

Help us to Help the helpless and change their life

SHIVANGI GRAMYA VIKAS SANSTHAN
LAKHIMPUR-KHERI

ANNUAL PROGRESS REPORT- 2022-23

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान,

सोहक, पोस्ट महमदपुर (ताजपुर) तहसीलः मोहम्मदी, जिला. लखीमपुर-खीरी-उ.प्र.

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट 2022--2023

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान एक स्वैच्छिक संगठन है जिसकी स्थापना लखीमपुर जिले में वर्ष **2007-2008** में भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में की गई थी। इसका प्रबंधन सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों की एक समर्पित टीम द्वारा किया जा रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में समाज के वंचित और गरीब वर्गों की सामाजिक-आर्थिक विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करना। संस्था की स्थापना के समय से ही यह विभिन्न विकास कार्यक्रमों को पूरा करने में शामिल रहा है, जिनमें विकासात्मक गतिविधियों के क्षेत्रों में युवाओ, महिलाओं, दिब्यागजनो और बाल कल्याण के लिए कार्यक्रम, अल्पसंख्यकों और पिछड़ी जातियों ,महिलाओं और युवाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार उन्मुख कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा, स्वच्क्ष पेय जल , दिव्यंगों, स्वास्थ्य देखभाल, और हस्तशिल्प विकास, कृषि विकास के लिए कार्यक्रम, सर्वेक्षण, ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए अध्ययन और स्कूल न जाने वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करना ताकि वे विकास की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

संगठन का विजन और मिशन

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान, गरीब समुदाय के लिए संसाधनों को सशक्त बनाने के लिए खुद को एक सहयोगी भावना से संगठित करने, समुदाय के बड़े लाभ के लिए कल्याणकारी गतिविधियों / योजनाओं को विकसित करने, प्रबंधित करने और चलाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने में मदद करने की कल्पना करती है।

मिशन- संगठन का मिशन ग्रामीण समुदाय विशेष रूप से युवाओं ,दिव्यांगो ,महिला/कारीगर समुदाय को सशक्त बनाकर, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, परिवार कल्याण, व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करके और पर्यावरण के संरक्षण और मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करके सतत समग्र विकास के लिए काम करना है। संस्कृति, जिससे समाज के वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास में योगदान देने के समग्र उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

संगठन के उद्देश्य -समाज का मुख्य उद्देश्य जाति, पंथ और धर्म के किसी भी भेदभाव के बिना गरीबों, दलितों और वंचित वर्गों के लोगों के समग्र विकास के लिए काम करना है ताकि लक्षित लाभार्थी एक

जापती देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

साथ जुड़ सकें, एकसाथी भावना पैदा कर सकें, एक साथ काम कर सकें और खुद को सकारात्मक रूप से समर्पित कर सकें। आपसी विकास और समाज के समग्र विकास के लिए।

फोकस का प्राथमिक क्षेत्र

संगठन का फोकस गरीब समुदाय के बीच उनकी आय और जीवन शैली में सकारात्मक बदलाव के लिए विकास और कल्याण कार्यक्रमों के आयोजन में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। संगठन का एक अन्य फोकस आजीविका, सड़क सुरक्षा, दिव्यांगओ के उत्थान , स्वास्थ्य देखभाल, महिलाओं और बच्चों के लिए कल्याणकारी गतिविधियों का विस्तार करना है। इसके अलावा, संगठन ग्रामीण स्तर पर लड़कियों और लड़कों की शिक्षा, स्थानीय संस्थानों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों के भागीदारी प्रबंधन, बेरोजगार युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, योजना बनाने, कार्यान्वयन और विकास सेवाओं की निगरानी में ग्रामीण लोगों की क्षमता निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्व-रोजगार इकाइयों की स्थापना, संसाधन गरीबों को सुरक्षित पेयजल प्रदान करना, पर्यावरण जागरूकता, एसएचजी को बढ़ावा देने और आय सृजन गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण।

संगठन के भौगोलिक क्षेत्र

संगठन पिछले 14 वर्षों से उत्तर प्रदेश के जिला लखीमपुर-खीरी, में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसने आय सृजन गतिविधियों, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, कौशल विकास, हस्तशिल्प विकास और शिक्षा, कृषि, सड़क सुरक्षा, दिव्यांगोके उत्थान , महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के विकास के लिए गतिविधियों को प्रदान करने के लिए विभिन्न विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। यह संगठन के लिए श्रेय की बात है कि विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इसकी गतिविधियाँ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के कमजोर वर्गों के पाँच लाख से अधिक लोगों तक पहुँची हैं और उनके रहने की स्थिति में सराहनीय बदलाव किए हैं। यह समुदाय के नेतृत्व वाले विकास कार्यक्रमों और संबंधित क्षेत्रों में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों के नेटवर्किंग के अलावा संगठन द्वारा लगाए गए विभिन्न अन्य कारकों से संभव हुआ है।

संगठन का बुनियादी ढांचा सेटअप और प्रबंधन संरचना

विकास कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए संगठन का ढांचागत ढांचा बहुत मजबूत है। सोसायटी के मामलों का संचालन 09 सदस्यों वाले एक बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। पदाधिकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष हैं और शेष 05 समिति के सदस्य हैं। बोर्ड की त्रैमासिक आधार पर नियमित बैठक होती है। बोर्ड के सदस्य, संगठन में सलाहकार की भूमिका निभाने के अलावा, संगठन के

कापली देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

विषयगत क्षेत्रों से भी जुड़े होते हैं। दाता विभागों/एजेंसियों को अनुमोदन के लिए कार्यक्रमों और परियोजनाओं को प्रस्तुत करने से पहले बोर्ड आवश्यक संकल्प पारित करता है। भर्ती और नियुक्तियों, उपकरणों और सामग्रियों की खरीद और वित्तीय और कार्यक्रम मामलों की निगरानी के मामलों में बोर्ड इष्टतम परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक नियंत्रण, पर्यवेक्षण और दिशा का प्रयोग करता है।

मानव संसाधन

जहां तक मानव संसाधन का संबंध है, सोसायटी में 16 व्यक्तियों की स्टाफ संख्या है, जिनमें से 04 प्रशासनिक कार्यालय में कार्यरत हैं और 12 विभिन्न परियोजनाओं/कार्यक्रमों में लगे हुए हैं। इसके अलावा, 3 अत्यधिक अनुभवी विशेषज्ञों की एक टीम की सेवाएं भी संगठन के लिए उपलब्ध हैं। संगठन विभिन्न विभागों और एजेंसियों के सहयोग से संसाधन व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने, योग्य और अनुभवी सलाहकारों / विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों को काम पर रखने के लिए भी काम कर रहा है।

संगठन का तालमेल और संपर्क

संगठन सभी स्तरों पर विभिन्न सरकारी विभागों के साथ अच्छा तालमेल और संपर्क बनाए रखता है जो हमेशा कार्यक्रमों को लागू करने में संगठन की मदद करते रहे हैं। यह उन सभी फंडिंग संगठनों के साथ भी अच्छा संपर्क बनाए रखता है, जिन्होंने न केवल अतीत में बल्कि चल रहे कार्यक्रमों के तहत भी संगठनों का समर्थन किया है। इसके अलावा जमीनी स्तर पर भी पीआरआई, सीबीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामुदायिक नेताओं आदि के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखा जाता है।

(क). जल संरक्षण और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम:

संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजित कर समाज के सभी वर्गों में जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के क्षेत्र में समाज बहुत सक्रिय रूप से लिया गया है। स्वच्छ पेयजल की कमी ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारी का प्रमुख कारण है। स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने के लिए स्वैच्छिक संगठनों को आगे आने और बड़े पैमाने पर लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। समाज के प्रति अपना कर्तव्य समझते हुए समाज ने ग्रामीण स्वच्छ पेयजल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया है।

(ख). सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम :

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा सभी राष्ट्रीय दिवसों और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों और त्योहारों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम सरस्वती ज्ञान मंदिर सोहक में आयोजित किए गए। इस वर्ष भी इन सांस्कृतिक

गायत्री देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

कार्यक्रमों का आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों और विभिन्न समुदायों के बीच सद्भावना और सद्भाव की भावना पैदा करने के लिए किया गया था। प्रतिभागियों को सलाह दी गई कि वे बुरी आदतों और सामाजिक बुराइयों जैसे तंबाकू का सेवन और अंधविश्वासों को दूर करने की सलाह दें। हालांकि, सामाजिक आर्थिक भलाई के लिए अभी और काम करने की जरूरत है। इस संगठन के पास अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इस दिशा में आगे भी जारी रखने का दृढ़ संकल्प है।

(ग) मानसिक मंदित (दिव्यांग) जागरूकता कार्यक्रम :-

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा बेश लाईन सर्वे कर मानसिक मंदित दिव्यांगों की केयर हेतु मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के शारीरिक और मानसिक रूप से आत्मनिर्भर बनें और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें। संगठन में शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए उचित सुविधाएं जो ठीक से चलने में असमर्थ हैं। जो छात्रों को प्रेरित करने में मदद करता है ताकि वे अपने जीवन में एक कदम आगे बढ़ सकें। जो बच्चों को बुनियादी अवधारणाओं को बहुत आसान तरीके से सीखने और समझने में मदद करते हैं। बच्चो को पाष्टिक आहार और स्वक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाय । दिव्यांगजनों के अधिक से अधिक यू.आई.डी कार्ड,दिव्यगता प्रमाण पत्र बनबाने में संस्था द्वारा मदत की जा रही है विश्व योगा दिवस और विश्व दिव्यागता दिवस पर सस्था द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है निःशुल्क खेल सामग्री, वितरित की गयी ।

आपली देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

व्यावसायिक प्रशिक्षण:

महिलाओं और युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकास में युवाओं और महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्ष समाज के कमजोर वर्ग की 140 महिलाओं और 106 युवा लड़कों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया।

(घ). पर्यावरण शिविर:

पर्यावरण शिविर 22 मई 2022 को शान्ति देवी वाल विद्या मंदिर लोधीपुर में आयोजित किया गया। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों की एक बड़ी सभा को वायु और जल संसाधनों के प्रदूषण से बचने की आवश्यकता से अवगत कराया गया। इस बात पर जोर दिया गया कि हम में से प्रत्येक को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में अपना योगदान देना चाहिए। पेयजल संसाधनों को यथासंभव स्वच्छ रखने पर जोर दिया गया ताकि जल जनित रोग के जोखिम से बचा जा सके।

(ड) बाल श्रम गतिविधियों पर अंकुश लगाना (जागरूकता कार्यक्रम)

संस्था द्वारा किये गये सर्वे से ज्ञात हुआ बाल श्रम समाज में एक बढ़ता हुआ खतरा है और इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसे समाप्त करने के लिए उपलब्ध कानूनों के बावजूद, कार्यान्वयन ने वांछित परिणाम प्राप्त नहीं किया है। बच्चों का बहुमूल्य समय जो शिक्षा और विकास के लिए स्कूलों में खर्च किया जा सकता था, बाल श्रम में बर्बाद हो रहा है जिससे बच्चों के भविष्य की कीमत पर संबंधित परिवारों के लिए कुछ आय उत्पन्न होती है। संगठन बच्चों के भविष्य को होने वाली अपूरणीय क्षति के प्रति सचेत है और इसलिए बाल श्रम को रोकने के लिए कार्यक्रमों को लागू कर रहा है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भी ईंट-पत्थरों, निर्माण स्थलों और महत्वपूर्ण बाजारों आदि के पास ऐसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए और श्रम अधिकारियों की मदद से बाल श्रम में लिप्त ऐसे कई नियोक्ताओं को पकड़ा गया और उन पर कार्रवाई की गई। जहां भी संभव हो पहल अभी भी जारी है

गायत्रीदेवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

(च) वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

पिछले कुछ वर्षों से संगठन द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, यह देखते हुए कि वायु और जल प्रदूषण हर जगह एक सामान्य विशेषता है। संगठन का मानना है कि यदि उपचारात्मक उपाय नहीं किए गए और प्रवृत्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो स्थिति गंभीर अवस्था में विकसित हो सकती है जब मनुष्य और जानवरों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित होगा। इसके लिए जनता के बीच सामान्य जागरूकता निर्माण की आवश्यकता है। संगठन ने जिला लखीमपु में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिसमें गतिविधियों में नदियों, तालाबों आदि जैसे वायु और जल निकायों के संरक्षण और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालने वाली जागरूकता रैलियां शामिल हैं। पेड़ लगाने और प्लास्टिक के अंधाधुंध उपयोग और निपटान पर भी जोर दिया गया था। . इन मुद्दों को उजागर करने में संगठन के प्रयासों की व्यापक सराहना हुई।

(छ). स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम:

छोटे परिवार के मानदंडों, बच्चों के बीच की दूरी और गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम के पालन के बारे में जागरूकता के अलावा अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया: -

(i) घातक बीमारी एड्स से बचाव के लिए जोरदार अभियान चलाया गया।

(ii) 14 नवम्बर '2022 के दौरान टिकाकरण शिविर का आयोजन किया गया था।

(iii) बच्चों में एक बार जलजनित रोग से बचने की आवश्यकता पर बल देने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही नशीले पदार्थों से बचने के लिए मादक द्रव्यों और तंबाकू से बचाव शिविर में प्रभावित किया गया, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के पुरुषों और महिलाओं की एक बड़ी सभा ने भाग लिया।

(ज). राष्ट्रीय उत्सव कार्यक्रम:

संस्था द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में सभी राष्ट्रीय दिवसों और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों और त्योहारों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों और विभिन्न समुदायों के बीच सद्भावना और सद्भाव की भावना को शामिल करने के लिए किया गया था। विशेष रूप से बुरी आदतों

शापती देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

और सामाजिक बुराइयों जैसे ड्रग्स और तंबाकू का सेवन और अंधविश्वासों को दूर करने की सलाह दी गई।

(झ) सांस्कृतिक कार्यक्रम :-

संस्था समाज के निचले तबके लगातार गरीबी, निरक्षरता, कुपोषण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता की कमी, नशीली दवाओं की लत, लिंग संबंधी मुद्दों, एचआईवी / एड्स, कैंसर, आदि जैसी भयानक बीमारियों के फैलने जैसी ज्वलंत समस्याओं की तस्वीर हैं। बहुत कम लोग हैं जो आगे बढ़ते हैं और इन समस्याओं का समाधान ढूंढ़ते हैं। लेकिन इन समस्याओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और इसलिए समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगठन ने इसके कारणों और संभावित समाधानों को उजागर करने की दृष्टि से इस पर अध्ययन किया है। इस उद्देश्य के लिए कलाकारों की एक टीम को अनुबंधित किया गया था, सामाजिक विकृतियों को व्यक्त करने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निर्देशित करने के उद्देश्य से उनके साथ कई दौर की चर्चा की गई ताकि जब इन कार्यक्रमों का अंत में मंचन किया जाए, तो जनता का ध्यान आसानी से खींचा जा सके।

(ट) सरस्वती ज्ञान मंदिर - सोहक

शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल के तहत, संगठन सरस्वती ज्ञान मंदिर लखीमपुर खीरी जिले के पसिगवां ब्लॉक के गांव सोहक में प्राथमिक विद्यालय चला रहा है। स्कूल मे 185 छात्र हैं जो समाज के गरीब और वंचित वर्गों से संबंधित हैं जो अन्य स्कूलों में खर्च की उच्च लागत वहन नहीं कर सकते हैं। वर्तमान में कक्षा पहली से आठवीं तक की कक्षाएं लगती हैं। संगठन ने योग्य शिक्षकों को लगाया है जो वंचित बच्चों के कल्याण में विश्वास करते हैं। छात्रों के लाभ के लिए स्कूल में पाठ्येतर गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता ह

जापती देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

(ठ) उपभोक्ता संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

संस्था मुख्यालय पर उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी जिसमें उपभोक्ताओ की विभिन्न समस्यों पर चर्चा की गयी 1 क्योंकि बाजार में उपलब्ध कराए गए विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के बारे में मीडिया के माध्यम से जारी अभियान और प्रचार के कारण उपभोक्ता भ्रमित हैं। हालांकि इस तरह के उत्पाद और सेवाएं वास्तव में प्रचार के माध्यम से दी जाने वाली संतुष्टि की पेशकश नहीं करते हैं, उपभोक्ताओं को एक सवारी के लिए ले जाया जाता है और बाद में ऐसे उत्पादों और सेवाओं को हासिल करने के अपने निर्णय पर पछतावा होता है। आमतौर पर यह पाया जाता है कि उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों का भुगतान करने के बावजूद निर्माताओं द्वारा कम गुणवत्ता वाले उत्पादों की पेशकश की जाती है। हालांकि इन उत्पादों को बहुत ही आकर्षक पैकेट में पैक किया जाता है, लेकिन गुणवत्ता बहुत कम होती है। इस तरह उत्पादक और विक्रेता उपभोक्ताओं को ठगने में लिप्त हैं। सेवाओं के मामले में भी स्थिति बहुत अलग नहीं है। उपरोक्त स्थिति की जांच के लिए इस वर्ष संगठन ने लखीमपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर उपभोक्ता अधिकारों के महत्व और कानून के विभिन्न प्रावधानों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से एक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कियाहै जिसके तहत इस तरह के संरक्षण का प्रयोग किया जा सकता है। इन कार्यक्रमों के दौरान उपभोक्ता कल्याण बोर्ड के अधिकारियों और क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

(ड) मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पहल

पिछले कई वर्षों से मां और बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल संगठन का फोकस क्षेत्र रहा है और शहरी केंद्रों के ग्रामीण और स्लम क्षेत्रों में अब तक कई कार्यक्रम लागू किए गए हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान भी संगठन ने कई ऐसी स्वास्थ्य देखभाल गतिविधियों को अंजाम दिया जिसमें शिविरों का आयोजन, परामर्श सेवाएं, टीकाकरण अभियान और रेफरल सेवाएं और गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए समर्थन समर्थन शामिल था। इस तरह की गतिविधियों के दौरान मातृ स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, बच्चों की दूरी, आर.टी.आई और एस.टी.आई आदि के संबंध में महिलाओं और किशोर स्वास्थ्य पर जोर दिया गया। संगठन ने इसके लिए स्थानीय स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन और आईसीडीएस का समर्थन मांगा। इस तरह की अधिकांश पहलों में यह पाया गया है कि आमतौर पर गरीब और वंचित परिवारों की महिलाएं पोषण

गायत्री देवी

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी

की कमी और एनीमिया से पीड़ित होती हैं। इस समस्या के समाधान के लिए संस्था ने चिकित्सकीय सलाह ली और जरूरतमंद महिलाओं को पोषक तत्वों की खुराक वितरित की। संगठन की सभी पहलों को न केवल लाभार्थियों से बल्कि स्थानीय सरकारी अधिकारियों और समुदाय के नेताओं से भी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

वार्षिक आम सभा बैठक :-

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान मुख्यालय पर वार्षिक आम सभा की बैठक में संगठन के कामकाज की समीक्षा करने, सदस्यों के विचार और सुझाव प्राप्त करने और आगामी वर्ष 2023-2024 के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए विचार विमर्स किया गया । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा संस्था की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष श्रीमती गायत्री देवी ने की। वर्ष 2022-2023 के दौरान कार्यान्वयन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की उपलब्धियों और प्रगति का विश्लेषण किया गया और उस पर आलोचनात्मक चर्चा की गई। व्यय के लेखापरीक्षित विवरण की प्रतियां सदस्यों के बीच वितरित की गईं और प्रतिभागियों के विचार और प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गईं। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2023-2024 की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। प्रतिभागियों के विचार और सुझाव प्राप्त किए गए। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान गतिविधियों की व्यापक सराहना हुई।

(गायत्री देवी)
गायत्री देवी
अध्यक्ष

शिवांगी ग्राम्य विकास संस्थान
सोहक, पसगवाँ-खीरी